SALTOC Project
Title: Madhumatī
Imprint: Udayapura: Rājasthāna Sāhitya Akādamī
OCLC: 3195624
Volume 46: no 1, January 2006

TOC Supplied By: Columbia University Libraries

मधुमती

जनवरी, 2006

राजस्थान साहित्य अकादमी, उदयपुर

अनुक्रम

कविताएँ

- एक नया साल, ग्रंथ / डॉ. शान्ति भारद्वाज "राकेश" / 5
- फिर नव वर्ष आया, स्वागत सर्दी का / डॉ. सरस्वती माथुर / 6
- नव प्रभात नव शुरुआत, बाँट लेते बोझ को, घास पर पड़ी ओस / गणपतसिंह मुग्धेश / 7
- प्यास, पुरानी पीढ़ी से, जिन्दगी से / डॉ. मूलचन्द्र पाठक / 9
- हाई–वे / डॉ. कैलाश जोशी / 11
- दुख से गुजरते हुए, इस पार उस पार / डॉ. सुदेश बत्रा / 12
- लोग, हम, जाने कब, थोड़ा–सा पानी / डॉ. उषा माहेश्वरी / 13
- जिन्हें लौटना हो वे लौट जाएँ, रात इतनी सियाह भी नहीं, कविता / शिवराम / 15
- मेरे शहर के बारे में पूछने पर, मेरा शहर–एक, मेरा शहर–दो / अजय अनुरागी / 17
- नदी की व्यथा, समुद्र मंथन / हरीश गोयल / 19
- मकसद, वटवृक्ष / जीवन महता / 20
- बंधन / डॉ. जयप्रकाश भाटी "नीरव" / 21
- देखो ! मानवता कराह रही है, इंसान को इंसान बना रहने दो / प्रेमसिंह चौहान / 22

लेख

- लो एक और बरस बीता / डॉ. दुर्गाप्रसाद अग्रवाल / 23
- भारतीय साहित्य की परिकल्पना कल और आज / डॉ. आरसू / 27
- आस्तिकता / डॉ. सुधेश / 31
- महादेवी का गद्य और जीवन का सत्य / डॉ. उषा भार्गव / 34
- भारतीय काव्य दृष्टि : नई व्याख्या / डॉ. शत्रुघ्न प्रसाद / 39
- क्या मायने हैं विक्षिप्त होने के ? : सृजन के संदर्भ में / डॉ. नरेन्द्र शर्मा 'कुसुम' / 43
- भूमण्डलीकरण के दौर में हिन्दी कविता / डॉ. नीरजा टण्डन / 48
- जन्म दिवस पर – काव्य शिल्प के सर्जक कवि : शमशेर / डॉ. हुसैनी बोहरा / 53
- रहस्य, क्या लिख रहे हो शरत, चप्पल – पुराण, मैं क्या करता हूँ ? / यादवेन्द्र शर्मा "चन्द्र" / 57
- आत्मकथ्य : कहानी चिंतन : लेखकीय विस्तार / बी.एल.माली "अशांत" / 60

गीत-ग़ज़ल

- उल्टे रहे पेड़ पर लटके, लेकर क्या करें हम / बलवीर सिंह "करुण" / 64
- गीत 1–2, हम सर्जक हैं, वर्जनाएँ अब नहीं / महेन्द्र नेह / 66
- तीन गीत / जगदीश तिवारी / 68
- कुछ दोहे – विविध रंगों के / डॉ. देवेन्द्र आर्य / 70

कहानी

- तोड़ना है चक्रव्यूह... ! / संगीता आनन्द / 71
- नीलकंठ / श्याम नारायण "कुन्दन" / 78
- मैं अकेली / अनुपम सक्सेना / 81
- एक और इच्छा मृत्यु / कुंवर प्रेमिल / 84
- संकट / चरण सिंह पथिक / 87

नाटक

- मैं हूँ विदूषक / देवर्षि कलानाथ शास्त्री / 92

विशेष

- आत्मसंघर्ष का सृजनात्मक चेहरा : विंदा करंदीकर / डॉ. कृष्ण कुमार रत्तु / 100

स्मरण

- सागर में क्या होगा ? मैं तो डूब रहा नयनों के जल में / श्रीकृष्ण शर्मा / 102
- एक जीवित संग्रहालय का फना होना / कृष्ण कुमार 'आशु' / 104

साक्षात्कार

- एक वर्ष और आज बीत गया / डॉ. औंकारनाथ चतुर्वेदी / 106

व्यंग्य

- चर्राना शौक अखबार मंगवाने का ! / डॉ. हरमन चौहान / 108

पुस्तक समीक्षा

- अंतरा का सफरनामा / डॉ. राजेन्द्र मोहन भटनागर / 111
- आम के पत्ते / डॉ. के.के. शर्मा / 114
- चंद्रमुखी, कथा कहो कविता, मकर चाँदनी का उजास, प्रो. जगमल सिंह / डॉ. वीरेन्द्र सिंह / 117

साहित्यिक परिदृश्य / 123

संवाद / 131